**अभ्यास प्रश्न पत्र (सेट-द) -2023**
**कक्षा 10वीं**
**विषय - हिन्दी**

समय – 3 घंटा पूर्णांक - 75

निर्देश -

1. सभी प्रश्न करना अनिवार्य हैं |
2. प्रश्न क्र. 01 से 05 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं | जिनके लिए 1x30=30 अंक निर्धारित है |
3. प्रश्न क्र. 06 से 17 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है | शब्द सीमा लगभग 30 शब्द है |
4. प्रश्न क्र. 18 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है | शब्द सीमा लगभग 75 शब्द है |
5. प्रश्न क्र. 21 से 23 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है | शब्द सीमा लगभग 120 शब्द है |
6. प्रश्न क्र. 06 से 23 तक सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |

---

**1.** सही विकल्प का चयन कर लिखिए - (1x6=6)

i. प्रयोगवाद के कवि है –

(अ) तुलसीदास (ब) अज्ञेय (स) महादेवी वर्मा (द) जयशंकर प्रसाद

ii. सूरदास भक्तिकाल की शाखा के कवि है –

(अ) ज्ञानमार्गी शाखा (ब) रामभक्ति शाखा (स) प्रेमभक्ति शाखा (द) कृष्णभक्ति शाखा

iii. दोहा छंद के द्वितीय और चतुर्थ चरण में मात्राएँ होती है -

(अ) 11-11 (ब) 12-12 (स) 13-13 (द) 16-16

iv. नेताजी की मूर्ति तैयार करने वाले मूर्तिकार का नाम है –

(अ) किशोरीलाल (ब) रामलाल (स) मोतीलाल (द) जयंतलाल

v. किसी कार्य का करने या होने का बोध कराने वाले शब्द कहलाते है –

(अ) विशेषण (ब) क्रिया (स) सर्वनाम (द) संज्ञा

vi. भोलानाथ के पिता आटे की गोलियाँ गंगा जी में प्रवाहित करते थे –

(अ) हजार (ब) सौ (स) तीन सौ (द) पाँच सौ

**2.** रिक्त स्थान में सही शब्द का चयन कर लिखिए – (1x6=6)

i. विश्व के सकल जन गर्मी से ----------हो रहे है | (भ्रमित/व्याकुल/ द्रवित)

ii स्थायी भावों के उत्पन्न होने के कारणों को ----------कहते हैं । (विभाव/अनुभाव/आलम्बन)

iii. कविता के रचना विधान को ----------कहते हैं । (छंद/अलंकार/रस )

iv. 'बालगोबिन भगत' पाठ गद्य की ----------विधा के अंतर्गत आता है | (रेखाचित्र/संस्मरण/जीवनी)

v. जिन वाक्यों से किसी कार्य के न होने का बोध होता उसे --------वाक्य कहते है | (विधानवाचक/निषेधवाचक/इच्छावाचक)

vi. सिलीगुड़ी से ही हमारे साथ थी यह----------नदी | (ताप्ती/नेवज/तिस्ता)

https://www.mpboardonline.com

**3.** सही जोड़ी बनाकर लिखिए – (1x6=6)

| स्तम्भ (अ) | स्तम्भ (ब) |
|---|---|
| i 'आत्मकथ्य' कविता | (क) मधु कांकरिया |
| ii 16-16 मात्राएँ | (ख) मृदुभाषी |
| iii उपन्यास के तत्त्व | (ग) मन्नू भंडारी |
| iv एक प्लेट सैलाब | (घ) जयशंकर प्रसाद |
| v जो मीठी वाणी बोलता हो | (ड.) चौपाई छंद |
| vi साना-साना हाथ जोडि | (च) सात |
| | (छ) छः |
| | (ज) मितभाषी |

**4.** एक वाक्य में उत्तर लिखिए – (1x6=6)

i. मुख्य गायक की आवाज़ कैसी होती है ?
ii. आलम्बन के अंगों के नाम लिखिए ?
iii. 'संस्कृत व्यक्ति' से क्या आशय है ?
iv. किस समास में दोनों पद प्रधान होते है ?
v. 'आम के आम गुठली के दाम' लोकोक्ति का क्या अर्थ है ?
vi. माँ ने भोलानाथ के घाव पर क्या लगाया ?

**5.** सत्य / असत्य कथन लिखिए – (1x6=6)

i. फसल कविता हमें कृषि संस्कृति के करीब ले जाती है|
ii. किसी वस्तु का बढ़ा चढ़ाकर वर्णन अन्योक्ति अलंकार में होता है|
iii. बिस्मिल्ला खाँ बाँसुरी वादन के लिए जाने जाते है|
iv. दो पदों के मेल को संधि कहते है|
v. गंतोक का अर्थ पहाड़ है|
vi. अज्ञेय विज्ञान के विद्यार्थी रहे है |

**6.** हिन्दी पद्य साहित्य को कितने कालों में विभाजित किया गया है ? संवत् में उनकी समयावधि लिखिए| (2)

**अथवा**

प्रगतिवादी कोई दो कवियों के नाम उनकी एक-एक रचना के साथ लिखिए|

**7.** सूरदास **अथवा** सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की काव्यगत विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – (2)
i. दो रचनाएँ ii. भाव -पक्ष

**8.** गोपियों को उद्धव को भाग्यवान कहने में क्या व्यंग्य निहित है ? (2)

**अथवा**

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ के आधार पर राम के स्वभाव की कोई –दो विशेषताएँ लिखिए|

**9.** कविता का शीर्षक 'उत्साह' क्यों रखा गया है ? (2)

**अथवा**

फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि नागार्जुन क्या व्यक्त करना चाहता है ?

**10.** काव्य की परिभाषा एवं उनके भेद लिखिए| (2)

**अथवा**

करुण रस की परिभाषा लिखिए|

**11.** वर्णिक छंद एवं मात्रिक छंद में कोई-दो अंतर लिखिए| (2)

**अथवा**

मानवीकरण अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए|

https://www.mpboardonline.com

**12.** किन्हीं दो प्रसिद्ध कहानीकारों के नाम उनकी कहानी के सहित लिखिए। (2)

**अथवा**

जीवनी और आत्मकथा में कोई –दो अंतर लिखिए।

**13.** स्वयं प्रकाश **अथवा** मन्नू भंडारी की साहित्यिक विशेषताएँ निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – (2)

i. दो रचनाएँ ii. भाषा-शैली

**14.** सेनानी न होते हुए भी चश्में वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ? (2)

**अथवा**

बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।

**15.** लेखिका मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का किस रूप में प्रभाव पड़ा ? (2)

**अथवा**

बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ?

**16.** निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए – (2)

i. संसार भर में प्रसिद्ध

ii. जिसकी उपमा न दी जा सके

**अथवा**

संधि और समास में कोई –दो अंतर लिखिए।

**17.** बच्चें माता- पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं ? लिखिए। (2)

**अथवा**

लेखक अज्ञेय के अनुसार, प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति उनके लेखन में कहीं अधिक मदद करती है, क्यों ?

**18.** निम्नलिखित काव्यांश का संदर्भ-प्रसंग सहित भावार्थ लिखिए - (3)

रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार।

धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार ।।

**अथवा**

फसल क्या है?

और तो कुछ नहीं है वह

नदियों के पानी का जादू है वह

हाथों के स्पर्श की महिमा है

भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है

**19.** निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ –प्रसंग सहित व्याख्या लिखिए – (3)

ठाली बैठे. कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे। संभव है, नवाब साहब ने बिलकुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफ़ायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफ़ेदपोश उन्हें मँझले दर्जे में सफ़र करता देखे।...अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे और अब किसी सफ़ेदपोश के सामने खीरा कैसे खाएँ? हम कनखियों से नवाब साहब की ओर देख रहे थे।

**अथवा**

https://www.mpboardonline.com

एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज़ की खोज करता है; किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया, वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान जिसे अपने पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई है, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए, संस्कृत नहीं कहला सकता।

**20.** 'परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। (3)

**अथवा**

महंगाई की समस्या पर पिता और पुत्र/पुत्री के मध्य संवाद लिखिए।

**21.** निम्नलिखित अपठित काव्यांश **अथवा** गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (4)

और सत्य ही राम वहाँ पर,

पता लगाते मुनिगण से।

शबरी की कुटिया तक आये,

प्रेम रूप के मधुबन से॥

प्रश्न – i. उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

ii. शबरी की कुटिया में कौन आया ?

iii. उपर्युक्त काव्यांश का भावार्थ लिखिए।

**अथवा**

इस संसार में पृथ्वी, आकाश, चंद्रमा, सूर्य ये जो बड़े-बड़े चरखे हैं, इनको भी चलाने के लिए कोई एक है। जब तक वह इन्हें चला रहा है तब तक ये चल रहे हैं। उदाहरण स्वरूप इस चरखे को जब मैं चलाती हूँ। तो यह मेरे हिसाब से चलता है। यदि इसे चलाने के लिए कोई दूसरा बैठ जाए तो यह चरखा तभी ठीक प्रकार से चलेगा जब वह मेरे अनुसार या मेरा अनुकरण करके चलाए। यदि वह विपरीत ढंग को अपनाएगा तो यह चरखा नहीं चलेगा या टूट जाएगा। ठीक यही नियम प्रकृति रूपी चरखे के साथ भी है। परमात्मा ने जिस ढंग से इस प्रकृति का निर्माण किया हैं, हमें उसके नियमों का पालन करना चाहिए। प्रकृति के नियमों को तोड़ने पर यह प्रकृति जो हमारी सहचरी है, पालिका और पोषिका है, इसका स्वरूप विध्वंस व संहारकारी हो जाएगा। भूकम्प, अनावृष्टि, अतिवृष्टि, पर्यावरण संकट, जल संकट इत्यादि संकट स्वास्थ्य और जीवन अस्तित्व के संकट को जन्म देंगे।

प्रश्न – i. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

ii.प्रकृति के नियम तोड़ने से क्या होगा ?

iii. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

**22.** अपने वार्ड में व्याप्त गंदगी को दूर करने के लिए नगरपालिका अधिकारी को आवेदन - पत्र लिखिए। (4)

**अथवा**

अपनी वार्षिक परीक्षा की तैयारी से अवगत कराते हुए अपने पिता जी को पत्र लिखिए।

**23.** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर रुपरेखा सहित सारगर्भित निबंध लिखिए – (4)

i. विद्यार्थी जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व
ii. पर्यावरण प्रदूषण में हमारी व्यक्तिगत भूमिका
iii. स्वच्छ भारत अभियान
iv. साहित्य और समाज
v. वृक्षारोपण एवं संरक्षण

https://www.mpboardonline.com